

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून:दिनांक 29 फरवरी, 2008

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय में वेतनादि तथा अन्य मदों में आवश्यकता से न्यून धनराशि होने के कारण पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: अर्थ/56878/5क(14)/01/2007-08, दिनांक 22 जनवरी, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्रों में उल्लिखित विवरणानुसार माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में पुनर्विनियोग के माध्यम से आयोजनेत्तर पक्ष में धनराशि रु0 117000 हजार (रु0 ग्यारह करोड़, सत्तर लाख मात्र) एवं आयोजनागत पक्ष में धनराशि रु0 5463 हजार (रु0 चव्वन लाख, तिरेसठ हजार मात्र) इस प्रकार कुल रु0 122463 हजार (रु0 बारह करोड़, चौबीस लाख, तिरेसठ हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत नियमानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त धनराशि को किसी भी ऐसी मद पर व्यय न किया जाये जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुयुवल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याक्षा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (5) आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत की जा रही धनराशि को नियोजन विभाग द्वारा सम्बन्धित योजनाओं में आबंटित परिव्यय की सीमा तक ही व्यय को सीमित रखे जाने का दायित्व शिक्षा निदेशक का होगा।

कमश:.....2



3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सम्बन्धित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-904(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008, दिनांक 22 फरवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक:-बी0एम0-15

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या 163(1)/XXIV-3/08/02(20)/2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 11- कम्प्यूटर सैल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 12- एन0आर्0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- गाड फाइल।

आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)
उप सचिव

नियन्त्रक अधिकारी-सचिव, विद्यालयी शिक्षा

प्रशासनिक विभाग - माध्यमिक शिक्षा

वित्तीय वर्ष 2007-08

आयोजनागत

अनुदान संख्या-11

कृच्छ्र प्राविधान तथा लेखापरीक्षक का विवरण	मानक गटवार अध्यापकिक व्यय	वित्तीय वर्ष की अवधि में शेष अवधि में अनुमानित व्यय धनराशि	अवशिष्ट (संरक्षित)	लेखापरीक्षक जिसने धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद बाद साम 5 की कुल धनराशि (साम 1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
2202-सामान्य शिक्षा				2202-सामान्य शिक्षा		एडुटेड योजना स्वातंत्र्य
02-माध्यमिक शिक्षा				02-माध्यमिक शिक्षा		न होने के कारण
100-सर्वोच्च माध्यमिक विद्यालय				001-निर्देशन एवं प्रशासन		धनराशि बचत है।
01-केन्द्रीय कार्योन्मेषण/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजना				03-माध्यमिक शिक्षा का अधिदान		राज्य नवीकर्य
0102-शिक्षा उपग्रह योजना एडुटेड				27-विकल्पा व्यय प्रतिपूर्ति	300 ✓	विद्यालयों में मानक मद
24-मुद्रा निर्माण कार्य- 2850	0	0	2850	42-अन्य व्यय	583 ✓	11-लेखन सामग्री में
07-राज्यीय गांधी नवीकर्य विद्यालयों की स्थापना				107-छात्रवृत्तियां		एवं पीठ टी000 शिक्षकों
11-लेखन सामग्री और फर्मा की छपाई 3000	61	1859	1080	15-खेल छात्रवृत्ति		के मानदण योजना में
06-नये राजकोष की स्थापना				21-छात्रवृत्तियां और छात्र वेतन	224 ✓	नी धनराशि बचत है।
25-तुल्य निर्माण 333	0	0	333	16-दश शिवानन्द नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति		पिठ व्यय प्रतिपूर्ति हेतु
110-नए सरकारी माध्यमिक को सहायता				21-छात्रवृत्तियां और छात्र वेतन	56 ✓	राज्य अध्यापक पुरस्कार
04-अध्यापकिक को सहायता				109-राजकीय माध्यमिक विद्यालय		खेल छात्र वृत्ति
0407-पीठटी000 शिक्षकों को मानदण				07-राजीव गांधी नवीकर्य विद्यालयों की स्थापना		दशशिवानन्द स्मृति
20-सहकार्य/अदान/राज सहित	10314	15486	1200	07-मानदण	2550 ✓	छात्रवृत्ति 80
				16-व्यवसायिक एवं विशेष सेवाओं हेतु सुगतान	280	बातवोटि00 एवं नये
				41-नौजन व्यय	13000	राजकोषों के स्वातंत्र्य
				09-नये राजकोषों की स्थापना		हेतु अतिमानक मदों
				08-कार्यालय व्यय	85	में धनराशि की
				12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	102	आवश्यकता है।
				26-मशीनें और सज्जा / उपकरण और सज्जा	200	
				91-राजकोष का इस्तार तक उन्मुखी (विद्युत)		
				27-विकल्पा व्यय प्रतिपूर्ति	850	
समपूर्ण योग- 33183	10375	17345	5463	समपूर्ण योग-	18230	27720


प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट में-वृद्ध के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 का उल्लंघन नहीं होता है।

(15)
(पीठटी000)
उप सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-3

संख्या- १०५ (१) (१) / वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008
देहरादून: दिनांक २२ फरवरी, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत


(एन०एन०थपलियाल)

सेवा में,

महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या-163(1)/XXIV-3/2008/02(20)/2007, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3-वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 4-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(पी०एल०शाह)
उप सचिव